



श्री गणेशाय नमः
श्री गणेशाय नमः

आशा प्रकाश
ASHA PRAKASH

1.545

२०
२३

	१ आहिसस्यया	२ गिया
	२ गमयादाय	
१ सनाम वदु ध	३ दिग्दया	४ मया

५ आहिस	६ गमया	७ गिया
८ वदु	९ दिग्दया	१० मया
११ सनाम	१२ गमया	१३ गिया

१ श्री गन सा सा यन मा॥ नाम असि न सि य क ॥ १० श्री लो म र
 उ वा वि र वः का द्याः मि थूः वा हा कु कुः मा मा सिं यः प्र पा कं न
 ला मा गु ल ॥ ना या वि रु ए ध नू जा र्क म क म्ब सा कुं र
 वा याः मि न ॥ १२ कू कू कू रु य अः स सा न स प्र ति ४ नू अ य
 न म रि न या ॥ १४ स या ना मं य य लि न लि द स रु य य ॥

१ श्री गन सा सा यन मा॥ नाम असि न सि य क ॥ १० श्री लो म र

	स व जं	१३
३ २	१	११
४	ॐ	१०
० ५	१	२
५		६
		प्र द ७

१४ रु धा य स य ध ग रु धा न
 सि ध र्था नः म र क सि य रु ल ग न
 स स व श्रंः म रु म सः स व श्रं ॥ १४
 न स रु क ग रु धा न सां पू ल व मा य
 पू ल व या दि द सा उ व रु सः मि श
 न सा पू गः य मि मा यः थ न म र न

१४ रु धा य स य ध ग रु धा न

१ अ॥ दखिन सकंद सि

मन सादयू॥

सदज

१ अ॥ धन

१ अ॥ नाजा युनिलाल

दउदयू॥ वृ सिमादयू

सिवा॥ मन॥

१ अ॥ नाजा युनिलाल

विना॥ नाजा

१ अ॥ नाजा युनिलाल

कागयादयू

१ अ॥ नि

कागयादयू

१ अ॥ नाजा युनिलाल

१ अ॥ नाजा युनिलाल

१ अ॥ नाजा युनिलाल

१ अ॥ नाजा युनिलाल

१ अ॥ नाजा युनिलाल

१ अ॥ नाजा युनिलाल

१ अ॥ नाजा युनिलाल

१ अ॥ नाजा युनिलाल

१ अ॥ नाजा युनिलाल

१ अ॥ नाजा युनिलाल

१ अ॥ नाजा युनिलाल

१ अ॥ नाजा युनिलाल

१ अ॥ नाजा युनिलाल

१ अ॥ नाजा युनिलाल

१ अ॥ नाजा युनिलाल

१ अ॥ नाजा युनिलाल

१ अ॥ नाजा युनिलाल

१ अ॥ नाजा युनिलाल

१ अ॥ नाजा युनिलाल

१ अ॥ नाजा युनिलाल

१ अ॥ नाजा युनिलाल

१ अ॥ नाजा युनिलाल

१ अ॥ नाजा युनिलाल

१ अ॥ नाजा युनिलाल

१ अ॥ नाजा युनिलाल

१ अ॥ नाजा युनिलाल

ॐ गनसाहाय नमः ॥ ॥ नञग्रहया ॥ १ ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नाना उच्यते संयतिना स उच्यते ॥ नमः
नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
॥ इति यजुर्गोविन्दोपासना ॥ कुरु प्रपतिः ॥ इति यजुर्गोविन्दोपासना ॥
नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

या रुद्रा ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
सति ननेहिः ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
लाभं गयिदा वं धूसक याधियिदा ॥ १ ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
या रुद्रा ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
कायि ॥ ६ ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

थअमी नून सित रुसयायुः गिनिमिमीन इवः ॥ १ ॥ नून
 नाउप डनमिगु ॥ ६ ॥ नूनम अदि खया रुन ॥ २ ॥ नून
 नानाथान एलथ नूनसिः उपड नाग इवः गुरुः ॥ ३ ॥ नून
 सिद्धयू ॥ १२ ॥ दादस अदि खया रुन ॥ ४ ॥ नून
 रुया ॥ ३ ॥ गिनिमि अदि खया रुत ॥ ५ ॥ नून

सगुनासः मिगुला रुसः वगमं ॥ ७ ॥ सगुनासः अदि खया
 लः नागनासः मगुनासः सगुनासः रुसः वगमं ॥ ८ ॥ नून
 दसम अदि खया रुत ॥ ९ ॥ सगुनासः काउसिद्धि रुतः मगु
 नूनार मिगुला रु ॥ ११ ॥ नून दादस अदि रुसः रुत ॥ १२ ॥ नून
 रुयथान ता रुः मा नगुपमिः नागनासः रुसः रुत

लार ॥ १ ॥ अतस्तुतमया रुद्रा ॥ अतस्तुतमया रुद्रा ॥
 अतस्तुतमया रुद्रा ॥ अतस्तुतमया रुद्रा ॥
 अतस्तुतमया रुद्रा ॥ अतस्तुतमया रुद्रा ॥
 अतस्तुतमया रुद्रा ॥ अतस्तुतमया रुद्रा ॥
 अतस्तुतमया रुद्रा ॥ अतस्तुतमया रुद्रा ॥

या ॥ १ ॥ अतस्तुतमया रुद्रा ॥ अतस्तुतमया रुद्रा ॥
 अतस्तुतमया रुद्रा ॥ अतस्तुतमया रुद्रा ॥
 अतस्तुतमया रुद्रा ॥ अतस्तुतमया रुद्रा ॥
 अतस्तुतमया रुद्रा ॥ अतस्तुतमया रुद्रा ॥
 अतस्तुतमया रुद्रा ॥ अतस्तुतमया रुद्रा ॥

पृष्ठ

लक्ष्म्या ॥ २ ॥ इति यद्युमाया रुना ॥ मनसखं उ न अथ ना
सः नानाविद्युजायूत्रयः ॥ अलास कस्युषा वि ॥ ४ ॥ रं रं य
व उमाया रु ॥ विगनास नानायाका नः ॥ असह्य व यपी
दाघननास ॥ ५ ॥ पंचमसखं उमाया रु ॥ इत्यपि ना
धियिदाः स कथायमिः लवानसः विद्युहयः ॥ अतिमृद

नागपिदा ॥ ६ ॥ अलासखं उमाया रु ॥ नाना उका
नः लयदयुः मिश्रुय सपयारयः ॥ अमिदा क अह
थनासः नाना उय उव ॥ ७ ॥ ननामखं उमाया रु ॥ व
लयः अजसिः उदयनागः घनक्यपिदा लागपिदा ॥ ८ ॥
दादसखं उमाया रु ॥ थमं या नाका ज न थनाक निपस

क्षयः विरहः धर्मः नाशः नृपः नृपः नृपः
 ॥ ज्ञानमसंख्यं गन्तव्यं ॥ नाशः विरहः नाशः विरहः
 हयः लाजः हयः मृगः कनरः याविः अग्निः हयः
 गयि दासः कथं गयि दासः ॥ १ ॥ इति यः
 नाशः पिदाः सः कलः वलः नयिगः विरहः

को न हयः न नाशः स्वः काशः ॥ १ ॥ यः पश्यति
 ताः को न पिदाः जस्य पिदाः वृद्धिः हि नः ॥ ५ ॥ यः पश्यति
 गन्तव्यं नृपः नृपः नाशः पिदाः को न हयः
 स्वः कः हयः गः अहिः नः पूः गुनः सः मृगः विविधः को न हयः
 सः पश्यति गन्तव्यं नृपः नृपः नाशः पिदाः को न हयः

प्रायमिः मनस इव शयू ॥ ६ ॥ अरुम अंग न जा ह न हि
खन क खान शयू धन ना स शयू ना ग पि दा शयू वि य
२ ॥ न ज म ग न य ह न ॥ म व न नू प मा न य य
यायू व न का त्रि वा दि धि दा स व न ना स ॥ १ ॥
या ह न म व य म नू प मा न य यः अर्थ ना हः स व वि धि

न ह य ना स पु सा द का ज सिं धि ॥ १ ॥ २ ॥ द न अ म
रु ल ना ना य का न न धन ना स शयू अ न ग अ न उ र शः
स ना प ह य सिं तु क न हः ह य नू मि स व र म द य नि
३ ॥ ३ ॥ वि गि य अं ग या रु ल को न या क न ध न
रु स हि न स ग ज द य व स ना ह स व नू ला र

यसंगायद्वय ॥ ८ ॥ नञा न सवृधया रुन ॥ काजस वि
बुधय अपमान खदनमालिथि दासं पश्ययु ॥ १२
दादसवृधया रुन ॥ सगुन अपमानख द्रुयु रुय केन रु
यु ॥ १३ ॥ इमियवृधया रुत ॥ अपमान प्रायनि धनला रु
काक नारु रुत ॥ १४ ॥ वरुथसवृधया रुत ॥ रुकुगुव

विधिरुय धन नारु दयु मान गुन किमि रुयमान रुयु
॥ १५ ॥ पंचमसवृया रुत ॥ विधिरुय सागुमिगु नारु रु
काकाः कुगुलिनि ॥ १६ ॥ अरुमवृधया रुत ॥ अस रुयु द
गु नारु वरु नारु धन प्रायमि काजसिधि नारु रुत रु धी
न नारु साख्या ॥ १७ ॥ दसमवृधया रुत ॥ मिगु नारु धनला

॥ १ ॥ उवा दस वृष्या रुला धन नारः पूरा नारः
 यापति नि नारः एव नारः मित्र नारः धन नारः
 ॥ २ ॥ जर्म विरय गिया रुला धन नारः धिदिन धान नारः
 सयः नग विना धनः धन नारः मान दिनः नाग कृणु व
 कन रुसगु विधि ॥ ३ ॥ गिगिय सव यनिय रुत धान

१६. स्यात्तु यदिति

हलथ का जनासः सजन हान जसमइ ॥ ४ ॥ वधुपरा
 वृसयगिया रुल ॥ चिगसं पि दा अमर नथ अयमान जि
 वंधक्य ॥ ५ ॥ वरुमस वृसयगिया रुन ॥ पिनिमानमइ
 मनससखमइः वंधकल रुशयूः सगुहयदयूः हाने रुंयू
 ॥ ६ ॥ वरुमस वृसयगिया रुन ॥ वंधनयापगि व्याधिधिदा

[illegible]

लघुनाहधनना ॥ ५ ॥ पंचदशस्यपद ॥ ६ ॥ अ
 कसनामपिगिशयुधननाहदयुयुमिह ॥ ७ ॥ वि
 धनाहधननाहदयुधननाह ॥ ८ ॥ संवत् ॥ ९ ॥ अ
 दनाहसकनासंनारनाहनाह ॥ १० ॥ नप्रापमिनामनाहधनना
 पमिदूधिनारमिनाह ॥ ११ ॥ नजमसदसपनिनाह

सुक्रयोगि

न॥ समस्तं काजसिद्धिः पूजनात् धर्मनात् अथ नात् मित्रा
रुधानं नात् नक्षि नात् ॥ ११ ॥ न कादसं सपत्तिनात् ना
धननात् आगप्रापिनात् सिद्धिं पूजनात् सुवर्णं धनं
सुखं जयं नात् ॥ १२ ॥ जन्मसमुत्पत्तिनात् ॥ १३ ॥
कथासुखं सुवर्णं पुण्यं नात् ॥ १४ ॥ जन्म पुण्यं

विनात् धनं पूजनात् जयं नात् ॥ १५ ॥ शिखरं मुकुटं
अर्थं नात् धनं नात् जाजमानं सर्वं नात् सुखं विधिना
नात् धनं नात् गिनात् ॥ १६ ॥ विनियमं मुकुटं नात्
अवयवं नात् अर्थं नात् मानं नात् धनं नात् सुवर्णं नात्
सुखं नात् पुण्यं नात् सुवर्णं नात् ॥ १७ ॥ पादपुष्पं मुकुटं नात् ॥

मिगु नारः वसुजा क वनः राश पृगु नारः राजन प्रापमि नरु
नारः ॥ ७ ॥ पंदम मुकुया द न ॥ गू नू सं गा ख २० ॥ ८ ॥ अन
प्रापमिः पृगु नारः सगुं थ अ या सा ह अ य ॥ ९ ॥ नारः ॥ १० ॥
नरु म मुकुया द न ॥ ११ ॥ रुदि नारः गि धन जा ॥ १२ ॥ व ॥ १३ ॥
॥ १४ ॥ नरु म मुकुया द न ॥ १५ ॥ धर्म नारः गि नरु ॥ १६ ॥ मुकुया द न ॥ १७ ॥

अथ नारः वसुजा नारः रुकु विद्याः गू नू सं गा ख २० ॥ १८ ॥
उका द स मुकुया द न ॥ मिगु नारः धन नारः ॥ १९ ॥ रुकु विद्याः
त्रि नारः ॥ २० ॥ रुदि नारः ॥ २१ ॥ ॥ २२ ॥ ॥ २३ ॥ ॥ २४ ॥ ॥ २५ ॥
॥ २६ ॥ ॥ २७ ॥ ॥ २८ ॥ ॥ २९ ॥ ॥ ३० ॥ ॥ ३१ ॥ ॥ ३२ ॥ ॥ ३३ ॥ ॥ ३४ ॥ ॥ ३५ ॥ ॥ ३६ ॥ ॥ ३७ ॥ ॥ ३८ ॥ ॥ ३९ ॥ ॥ ४० ॥ ॥ ४१ ॥ ॥ ४२ ॥ ॥ ४३ ॥ ॥ ४४ ॥ ॥ ४५ ॥ ॥ ४६ ॥ ॥ ४७ ॥ ॥ ४८ ॥ ॥ ४९ ॥ ॥ ५० ॥ ॥ ५१ ॥ ॥ ५२ ॥ ॥ ५३ ॥ ॥ ५४ ॥ ॥ ५५ ॥ ॥ ५६ ॥ ॥ ५७ ॥ ॥ ५८ ॥ ॥ ५९ ॥ ॥ ६० ॥ ॥ ६१ ॥ ॥ ६२ ॥ ॥ ६३ ॥ ॥ ६४ ॥ ॥ ६५ ॥ ॥ ६६ ॥ ॥ ६७ ॥ ॥ ६८ ॥ ॥ ६९ ॥ ॥ ७० ॥ ॥ ७१ ॥ ॥ ७२ ॥ ॥ ७३ ॥ ॥ ७४ ॥ ॥ ७५ ॥ ॥ ७६ ॥ ॥ ७७ ॥ ॥ ७८ ॥ ॥ ७९ ॥ ॥ ८० ॥ ॥ ८१ ॥ ॥ ८२ ॥ ॥ ८३ ॥ ॥ ८४ ॥ ॥ ८५ ॥ ॥ ८६ ॥ ॥ ८७ ॥ ॥ ८८ ॥ ॥ ८९ ॥ ॥ ९० ॥ ॥ ९१ ॥ ॥ ९२ ॥ ॥ ९३ ॥ ॥ ९४ ॥ ॥ ९५ ॥ ॥ ९६ ॥ ॥ ९७ ॥ ॥ ९८ ॥ ॥ ९९ ॥ ॥ १०० ॥

नरुवागेश्वर धनमयाका गाराकतमुकुयानन वि
कनरुश्वर कतिउदयू॥१०॥दरुममुकुयानन वि
रुदनेमासिःहेमकागारिहृदयंआनिआन वि
मांनरिन॥ १ पुजमरुसनिचमनरुमा वि
रुलनिउविजागःअनयुननमनसः॥१॥
॥॥॥

वैजयन्तमयागयुनरुमागः २ दोगरुमागः ३
विनेःसुखधनजनधननसुखःवलाहनरुमागः ४
रुश्वरनपिलयनमरुनरुतिश्वर ५ ॥३॥
रुलनिउविजागःअनयुननमनसः ॥४॥
रुलनिउविजागःअनयुननमनसः ॥५॥

नामधननिः धननास काजनास अर्थद्वयवृत्तमहिदा ॥ १ ॥
कमसनिग्रयादुलः ॥ विवतलदः सनिलनैजहिन अलः
हनागमिगुनास ॥ ४ ॥ अरुममनिग्रयनयादुलः निग्रुहाना
पुगुहनि इत्यहलवर्धलरय आगपि दाजजन ॥ ५ ॥
॥ ६ ॥ नममनिग्रयनयादुलः आगपि दावंधनपि ददय

दायाधिपिदा अग्रिरय विगनास नसदूरे ॥ १२ ॥ अर्थद्वय
यनयादुलः ॥ अकपिदा काजनास वृद्धिनास नकुहिन मा न
अहिना ॥ ३ ॥ विगीयसनिग्रयनयादुलः धननाहः दासिददना
अरुनाहः कुरिनिअ नमय्य धननाहः आगनाहः ॥ ४ ॥ अर्थद्वय
लोग्यदय ॥ ५ ॥ अरुमसनिग्रयनयादुलः नसदूरे नमय्य

मिहं सुख प्रायमिह र्वप्रापमि ॥ १० ॥ दसममनिचयया दल ॥ धर्म

प्रायमिनागनासपसुनार ॥ धननास ॥ ११ ॥ ३ वा दसममि ॥ १० ॥

रुतयममि ॥ १२ ॥ अर्थनारजस नार ॥ गिला ॥ पुन ॥ १३ ॥

दयूजमानदयूज ॥ १४ ॥ ३ का दसम ॥ १५ ॥ ३ का दसम ॥ १६ ॥

नजनसनानादलवियू धननारदयू ॥ १७ ॥ ३ का दसम ॥ १८ ॥

जनविधिरुयूज ॥ १९ ॥ ३ का दसम ॥ २० ॥ ३ का दसम ॥ २१ ॥

मययम ॥ २२ ॥ ३ का दसम ॥ २३ ॥ ३ का दसम ॥ २४ ॥

दायायू ॥ २५ ॥ ३ का दसम ॥ २६ ॥ ३ का दसम ॥ २७ ॥

यू ॥ २८ ॥ ३ का दसम ॥ २९ ॥ ३ का दसम ॥ ३० ॥

यासुदल ॥ ३१ ॥ ३ का दसम ॥ ३२ ॥ ३ का दसम ॥ ३३ ॥

जसं नारदयः वक्तुं धन नारदयः ॥ १ ॥ नमो नारायणाय ॥
 नमो नारायणाय ॥ नमो नारायणाय ॥ नमो नारायणाय ॥
 निडायायुजसं पञ्च करयः दिव्य नः अर्ध नातः ॥
 धनं कंगूया कुरुल इयुजा ॥ ० ॥ ॥ तिन जगु रका ॥
 मुरुन सनायनं मुरु ॥ ० ॥ ॥ गिन अदरा वदनर ॥

२
 ३
 ४
 ५
 ६
 ७
 ८
 ९
 १०

लवापि गल कलावान् प्रियुद नारदयः ॥
 नराच पारमि कटि प्रदला जगु नच जीवक विरुगु ॥
 कयु गमि जा नु नु पला न त्रिरी गसु नु दन नरा जगु नि ॥
 विंग नी ॥ १ ॥ ॥ १ ॥ ॥ १ ॥ ॥ १ ॥ ॥ १ ॥ ॥ १ ॥ ॥
 गुदध सिंघि कच नु विधं वृध अथ नासं व ॥

२
 ३
 ४
 ५
 ६
 ७
 ८
 ९
 १०

नलाएस्तु॥ १॥ नाराह इगिययः माविद्यामः सुरुद्रयं ह मि व इन्द्र
ह गूच उग्रमानं दिना नाध हानिः गूच वं धमू कमा सुसख सिह ॥ ३
खं ॥ २॥ विगियल सन विहू क रम सनिनः नरुनि के नन नरुनि
य पूरु क नागि स उरय गूच हानि य क न व न छि व ॥ ३
च गूथ क वं ड सन स स उरय विना ध दात्वा न वि नो ने ज्ञा ना स उ

विगलाल हं विगजिव यं डं प्र अ विगा यं कु न म र ल ॥ १॥
विम विगदिना नाध हं काल गुनामा वृध स के यः स धान वि दा लिम
गं रम गूच सु कं वृध मा स स खं ॥ ७ ॥ नाराह विग वि न व ॥
नादि वा क र मि च स स क यः स र व ध नं द उ वि न स न ॥ ८ ॥
न पू ज ध न क्ष प्रि स उरय ॥ ९ ॥ सनि स न न न उ क ल न स ड ॥ १० ॥

लवृषयगउवंधनरदसहवउहसमिडियमगः
सुकुचनष्टिमिदियनारववा॥ १० ॥ उरुमेमिदुका
जिह्वारमवदाजःनननिहृतिविद्यागनाहवमधनवि
ननयूजःवृषयथसिधि॥ ११ ॥ धुमथिनादवगुलुवरि
वसुखवधवंधरमचकादिलाधनसिचंडनागावृषयिदा

द्वयधयंगू॥ २ ॥ वृषयमिहगनभवनकमजिनलसुनिह
यनःसंसाकसूजःकनदलरंमिगंकासुनवनआनमे॥ १० ॥
खंयंडकनामिलारंरमवृषयिआसेनाकेलीकःवेधदयादं
गुवंनिमेकादसलुचरुसिखता॥ ११ ॥ मंदगूनासिदि
मंदइमूयोकिपगाचनाहवृषयिसंनगउनधसखंन

खंनच विद्यालनियानु ॥ १२ ॥ ॥ १ प्रष्टुं कनानि सति यदुक्तं
 नामक संरुगं गिरिहा गपुकारं वाः सखल गनं सपचन नु कनर
 धननागा द्वाहं करु विनिर्दि सगुः सन चमन धः ग्या ह्य विच
 धमिना गिप्रहन स्वय ॥ ॥ ॥ नामा कनानिः शुभ्र न
 गुत्रंग दस थिमिनीः दा दा वरुगं रु लिने जलगं रुने

वृषय कुमारि ॥ कायश्च वृषय कर्तल ॥ ॥ ॥ नरु उरु
 प्रया ॥ पूर्व ॥ मिथुन ॥ अगिनियां ॥ कुकु सिंध ॥ दष्टि न ॥ ॥ ॥
 नेदिना गुल विच्छक ॥ पट्टिम ॥ धनू ॥ वा ॥ ॥ मजु वृ ॥ ॥
 न न ॥ मिनय ॥ ॥ सन ॥ ॥ थमिदि सासिय के इ ॥ ॥ ॥
 र्जुगानां गविदं नामयान सनिरय सजन न सति सकना नो ग
 सक सकः वना मि हः आदिने द्य विस्तुः दं दयानि मरु मरुः सुव

२ श्री गणेशाय नमः ॥

यं वदन्तानि गं वदन्ति गूनास्तनः ॥ १ ॥ दू द्यादिना विजा लब्धः
यत्पू गिनि वायू सिलखयि दयाः हिमसद अग्रमादि ख खू म म
कनः दिष्टि व र्ग ग न नानो ॥ १ ॥ दिन दया र स स व ह ह स ले न ज
द्या ग स ज न रू पा द सा द न रय स गू मा ग नि ह न ग पि स च ॥ २ ॥
दिवा च स उ मानं ॥ २ ॥ क म ह ज ग ज नू क मि न व थ अ गि न न

दया ज्ञान जालि म प पि दा रय स गू मा य ना वि द र द क रू जि नि
ख मि ना रि न ग न म ग नानि ३ ॥ नि प स क ना रय ध न उ न रू व
न धि क स र ल गा दि के नः आ नू न द्या दा र व रू खि र्ग च न गुं ग नानि
वृ डि सि मानं ॥ ४ ॥ मं ड अ गि नि न गु क म न कू क नानि ॥ ५ ॥
दा सः मू ष षां ड नानां सु चि ना वि न ग मा कु न द द मानां दा र द म मि

मनुष्यस्य गिनां ॥ ५ ॥ मधुनस्तु कामन निवः सानुनूद निःक्षेपः
दं कियमकाविन स्यात्तुलं कस्तुमानस्तुलं ॥ ६ ॥ नानाशुको रतिपिनी
वगनेनलानां ॥ ७ ॥ नारायणपूगः कस्तुमानुदस्यावधिमेवुवुवु
धननानां दारुसमस्तानजनजियु नंयल दारिनाक सस्तित्वम
नां ॥ ८ ॥ नामुधिजान अग्निनीवः ॥ ९ ॥ अग्निनीवः ॥ १० ॥

मगथाप्रदिस्याः तथा प्रादे सनद ननरु ॥ ११ ॥
रोगिप्रश्ना ॥ १२ ॥ प्रश्नाक्षरारिाशशपूतनामाक्षरयुततथा
त्रिभिर्भागेन शेषचप्रश्नलग्नप्रकल्पयत् ॥ १३ ॥ एकेन
साध्यते रोगद्वामेकस्य विनिर्दिशेत् ॥ १४ ॥ सून्ये च मरणाच्चैव
रोगप्रश्नविचक्षणात् ॥ १५ ॥

१५ २ ० २ २ ३ ० ३ ० २ ५ २ ४ २ ५ २ ४ २ २ २ १ ५ २
 १६ १ ५ २ २ १ ६ २ ४ २ ४ २ ४ २ ३ ६ २ ३ १ २ १ ० २ ६ १ ० १ ०
 १७ १ ४ ४ २ १ ० २ ३ ६ २ ३ १ २ २ ९ २ २ १ २ १ ० २ ६ १ ५ ५ १ ४ १ ३ ५
 १८ १ ३ ६ २ १ २ २ २ २ २ ६ २ २ ० २ १ ६ २ १ ५ २ १ ३ १ ५ ५ १ ४ १ ३ ६ १ २ ५
 २० १ २ ४ १ ५ १ २ १ २ १ ० २ ६ २ ५ २ ३ २ १ २ ४ ५ १ ४ ० १ २ ० २ १
 २१ १ १ ६ १ ४ २ १ ६ २ ४ १ ५ १ ५ १ ५ २ १ ५ २ १ ३ २ १ ३ १ १ २ १ १ ६
 २२ १ १ ६ १ ३ ३ १ ५ ६ १ ५ २ १ ४ ६ १ ४ ० १ ३ १ १ २ ० १ २ ३ १ १ ३ १ २
 २३ १ ० १ २ ४ १ ४ ० १ ४ १ ३ ५ १ ३ ६ १ २ ६ १ २ १ १ ४ १ ५ १ ०

[illegible]

१५५

१५५ **उत्तराश्विनाक्ष** मालस्याक उत्तराश्विनाक्ष सप्तम्याक्षिदक्ष
युग्मकथनरनूयिज वेनीजत्वादासंजयलपू कनरुयाका
कोलथलकोसामरुनः युगिप्र दानजायलपू नागः **जरा**
दवगासिवः अग्निनागनाक्षर मारुका न चानिज कलामुज्ज्वल
हमिनिः कृगुपात्र साकृ गहदवना पूर्वदिशाया मंगला ॥

१५६

धुयासंगिसिवपूजा पंचमीम भिस्वात्रसपूजते **जरा**
मूलपिथस्वनिपात १ मालहू याथसपूज २ स्वरिहू **जरा**
उयादावनइधननखनधा **जरा** **जरा** **जरा** **जरा** **जरा** **जरा**
मिदः मुत्रनूगलस्याक कर्तुं मुहः जूदिनः कृत सव था मज्ज
नः अविवात्रया नाइनगम प्राय द्यासयायिज हि विदाल

हिमिया च कादसि अंगवा प्रजाय न नाम ॥ थया दवसा गमि
माहं यत्न समस्तान कुमाहि माह दज गुरुदवना दानसुखि
गउद्धि न कुपयान लंघयास निपत्त काय नायिद्य न नशुदि
दिहा मागं गलाग अंगन गुरुवि कान ॥ ० ॥ सागि काहा लम
न गवजा दय कं कुन म्भ लविनाय कपूजा य गुरु वा कलम

धसवत्रियान समस्तान् वनागया राजनस को नू
हा कुमूनं रुका प्रणपस हिमनं वत्रियान गेनियान वलि
याग कनयस वलि ॥ हिमिनियान पूज रं मरु दज यात वं
मगप न कुमात्रियान हजा कता न संपूजा उगात्र याना
मिन नय रयमिया नस पूज रं धन सत्र थ ॥

श्यावानगूत्रागम ० ॥ उच्यते दवता उच्यते दवता
 सम्यक्प्रतिगतिनिःश्याम उच्यते दवता मन्त्रिग
 मदिता आगमनाग यत्कृमि विस्मयति वा न उच्यते
 धर्मसामिपि सत्येन व त्रिषां यत्र वा का सत्यः
 निह्युक्तं यत्कृमि विस्मयति वा न उच्यते
 का कसा सत्यं यत्कृमि विस्मयति वा न उच्यते

२४२४॥

कत्र श्यावानगूत्रागम ० ॥ उच्यते दवता उच्यते दवता
 मन्त्रिगमनाग यत्कृमि विस्मयति वा न उच्यते
 धर्मसामिपि सत्येन व त्रिषां यत्र वा का सत्यः
 निह्युक्तं यत्कृमि विस्मयति वा न उच्यते
 का कसा सत्यं यत्कृमि विस्मयति वा न उच्यते

ॐ
ॐ
ॐ

सुसिहृदथासयुक्तं कथयन्सर्वस्त्रिपान्नगनसपूजाक्षरमा
ध्याकामात्रक्षजवस्त्रिविद्यग्ननाहकात्रयुजाहस्त्रिमांडल
षट्पद्मसिद्धधनसिद्धिस्तुतिप्रमाणधनसंनधा ॥ १ ॥
मयायोगाजयवत्तुगुणिसाधनादुत्तमनयवत्तुसाधनाजय
उत्तमंरुनितामयायुजामेवत्तुगुणिसाधनादुत्तमनयवत्तुसाधनाजय
स्यदयुक्तविकनंनमस्तुगुणिसाधनादुत्तमनयवत्तुसाधनाजय

वगामांगमंयुधामन्युवत्तुगुणिसाधनादुत्तमनयवत्तुसाधनाजय
मिमकस्यउवात्रसिद्धिस्तुतिप्रमाणधनसंनधा ॥ १ ॥
पूजाभसानसस्यजयधनसिद्धिस्तुतिप्रमाणधनसंनधा ॥ १ ॥
यागहजकामात्रक्षजवस्त्रिविद्यग्ननाहकात्रयुजाहस्त्रिमांडल
उत्तमंरुनितामयायुजामेवत्तुगुणिसाधनादुत्तमनयवत्तुसाधनाजय
यत्रपूजागसर्वत्रिविद्यमात्रपंचकथायथाकामात्रक्षजव

सत्रधाः निष्कृतवेत्ता गतमाकम् एममुश्चता॥

१ अस्मिन्निचः तत्राः निचः कृतिपादमवदः तत्र
कृतिः तिनिपादः तत्राः निचः तत्राः निचः तत्राः निचः
एनः मयमाधसः तत्राः निचः तत्राः निचः तत्राः निचः
कृतिः तिनिपादः तत्राः निचः तत्राः निचः तत्राः निचः

सिचं मयाचः यत्राचः उत्रापादमवदः तत्राः निचः
तुः त्रयापादः तत्राः निचः तत्राः निचः तत्राः निचः
चित्राः त्रयापादः तत्राः निचः तत्राः निचः तत्राः निचः
यत्रापादः तत्राः निचः तत्राः निचः तत्राः निचः
तत्राः निचः तत्राः निचः तत्राः निचः तत्राः निचः

वनः वनं गच्छन्तः तं च न स्ताः समः तं च नः
यूनं तदमायः प्रसाः निन वृत्तः पादकाः उरु
तदः चत्तवत्त १॥ ॥

वृ आ वृ अ
म पि धं ज्ञं

द
सा
रू

० ० ० ० ० ० ० ०

० ० १ १ १ २ १ २

१० २० ० १० २० ० १० २०

मगनायादे न काले उला देय विधि धन इमात्यमनाय

वृ म नू नू द
ह उ मि म म

० ० ० ० ० ० ० ०

३ ४ ४ ४ ० ० ० ०

१० ० २० १ २० १० ० २०

इमात्यमनाय

२ २ २ २ २ २ २ २

वृ अ वृ म
ध अ र उ

द
सा
रू

० ० ० ० ० ० ० ०

३ ४ ४ ४ ० ० ० ०

० ० ० ० ० ० ० ०

रधयायात्यमनास रु उला देय विधि धन

वृ म नू नू द
ह उ मि म म

० ० ० ० ० ० ० ०

३ ४ ४ ४ ० ० ० ०

१० ० २० १ २० १० ० २०

इमात्यमनाय

卷之六

卷之四

... 12 ...

41263

10

१०
सिद्ध्याः साधनं नो भूतं नैवेद्यं रत्नं कथा ह्यथ मन्त्र इति मन्त्र
राम

रसिक आर्य नर

नववेष्ट आर्य

पद्माभूषण

कृत्य आर्य

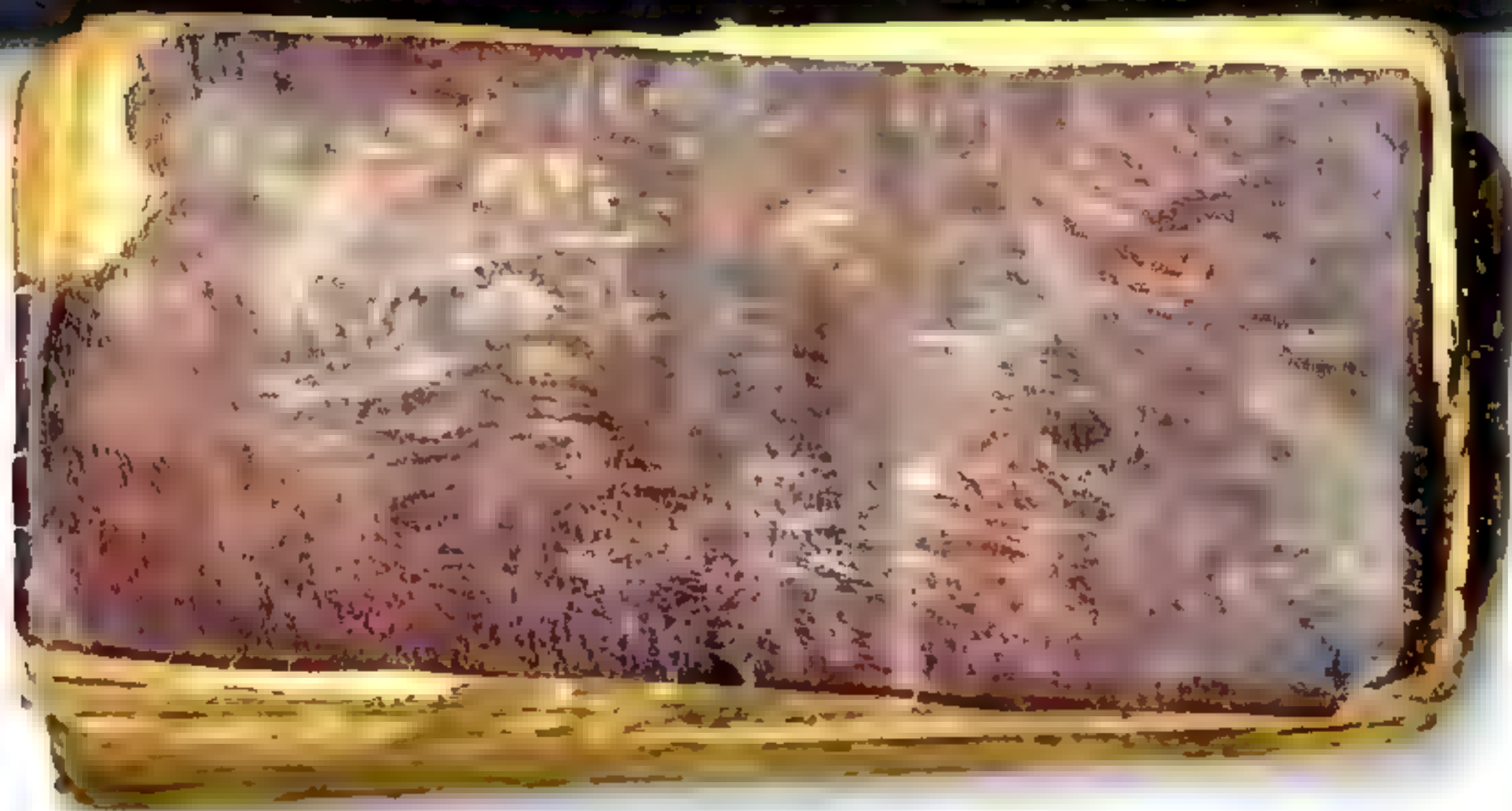
नववर्द्धन

संस्कृत

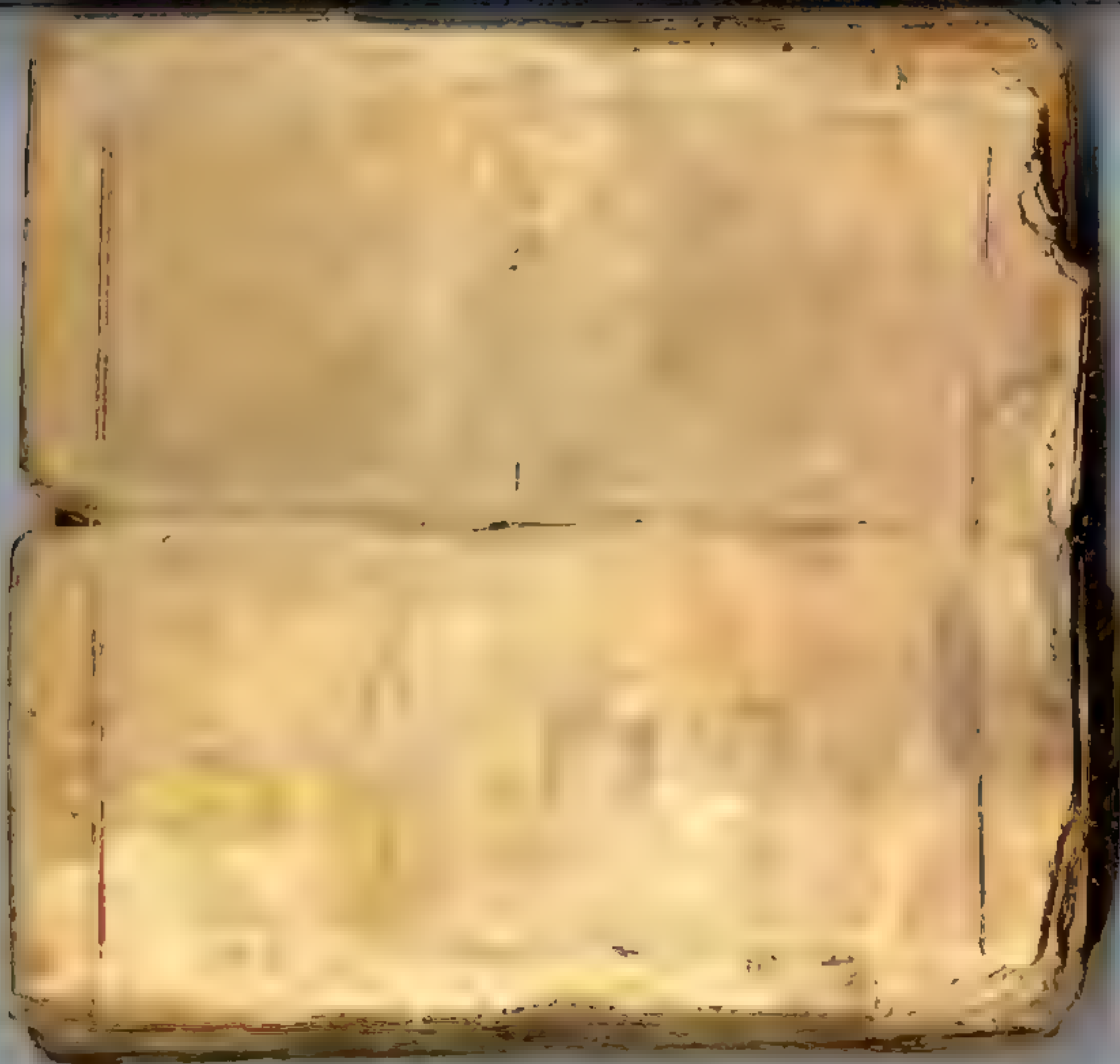
1.575

श्वश्वती

मेयादिना



























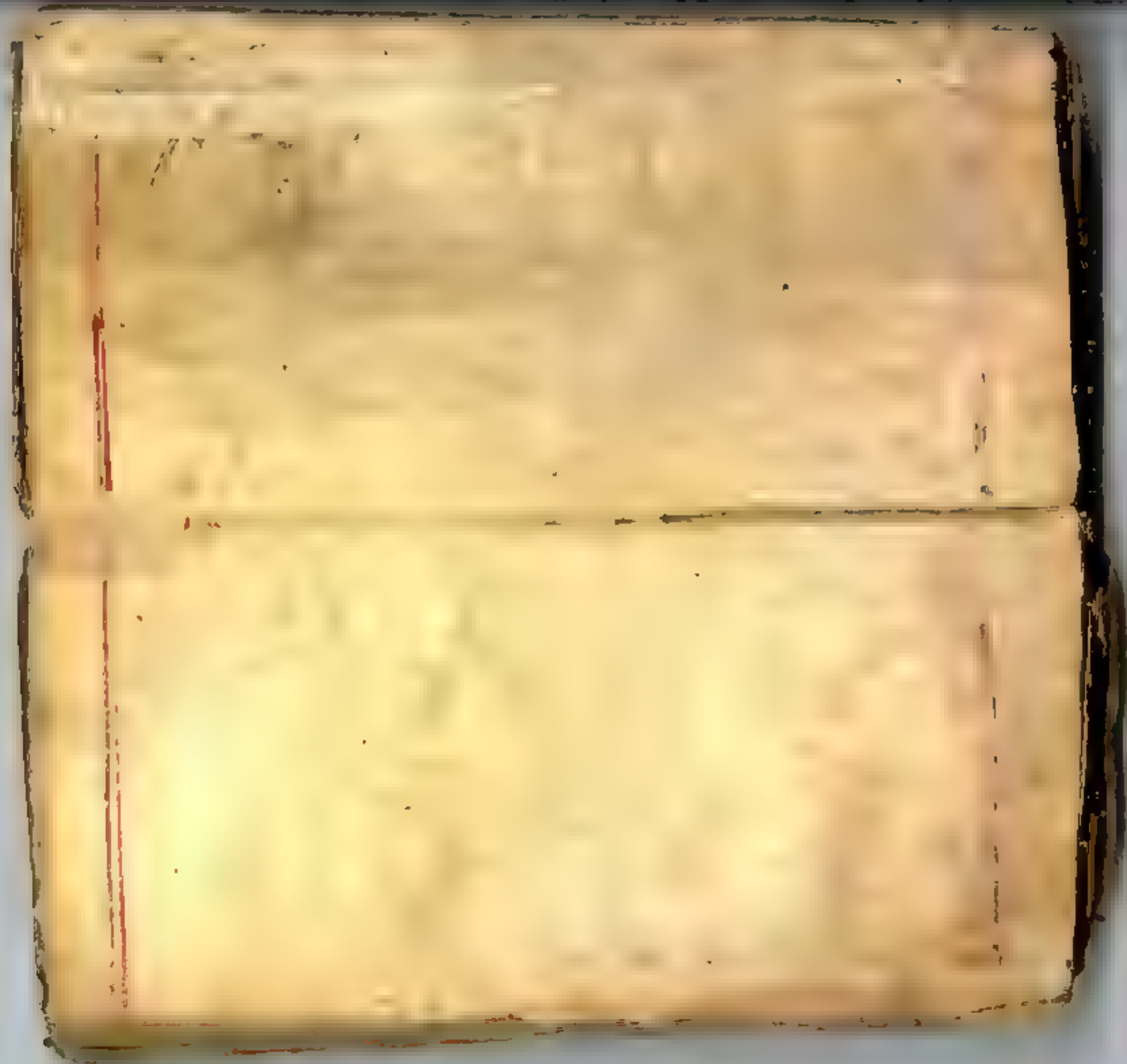




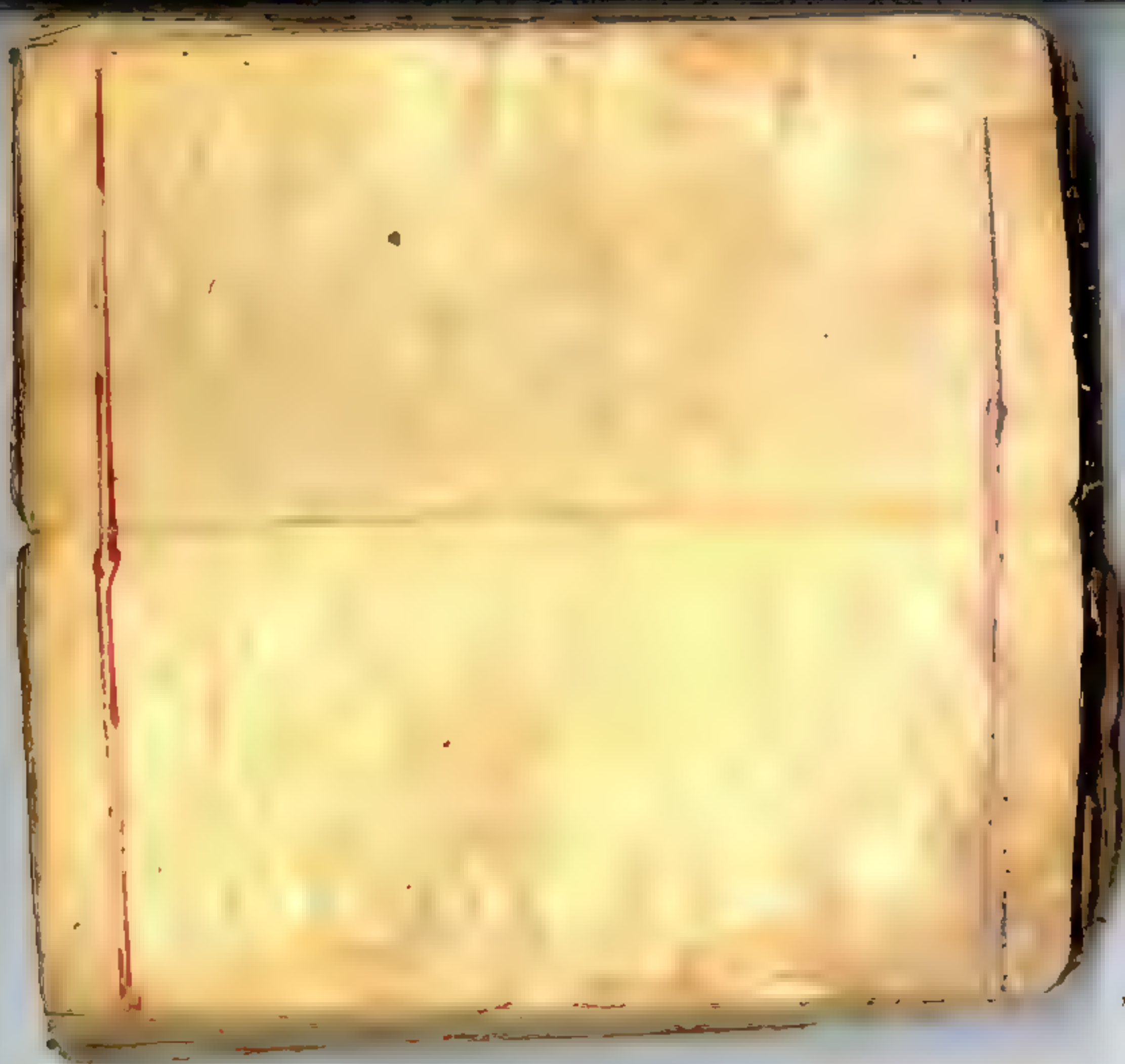


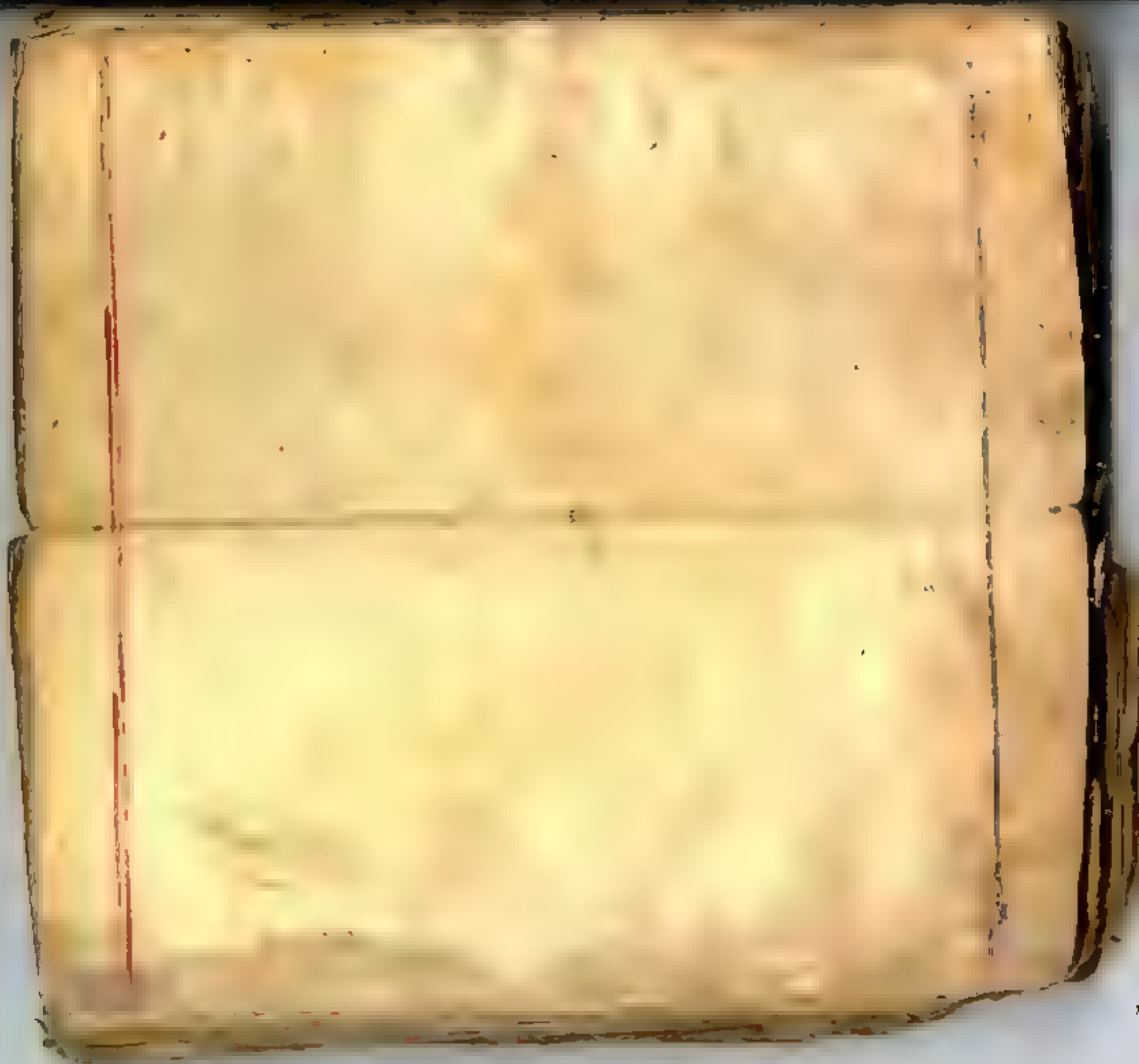




















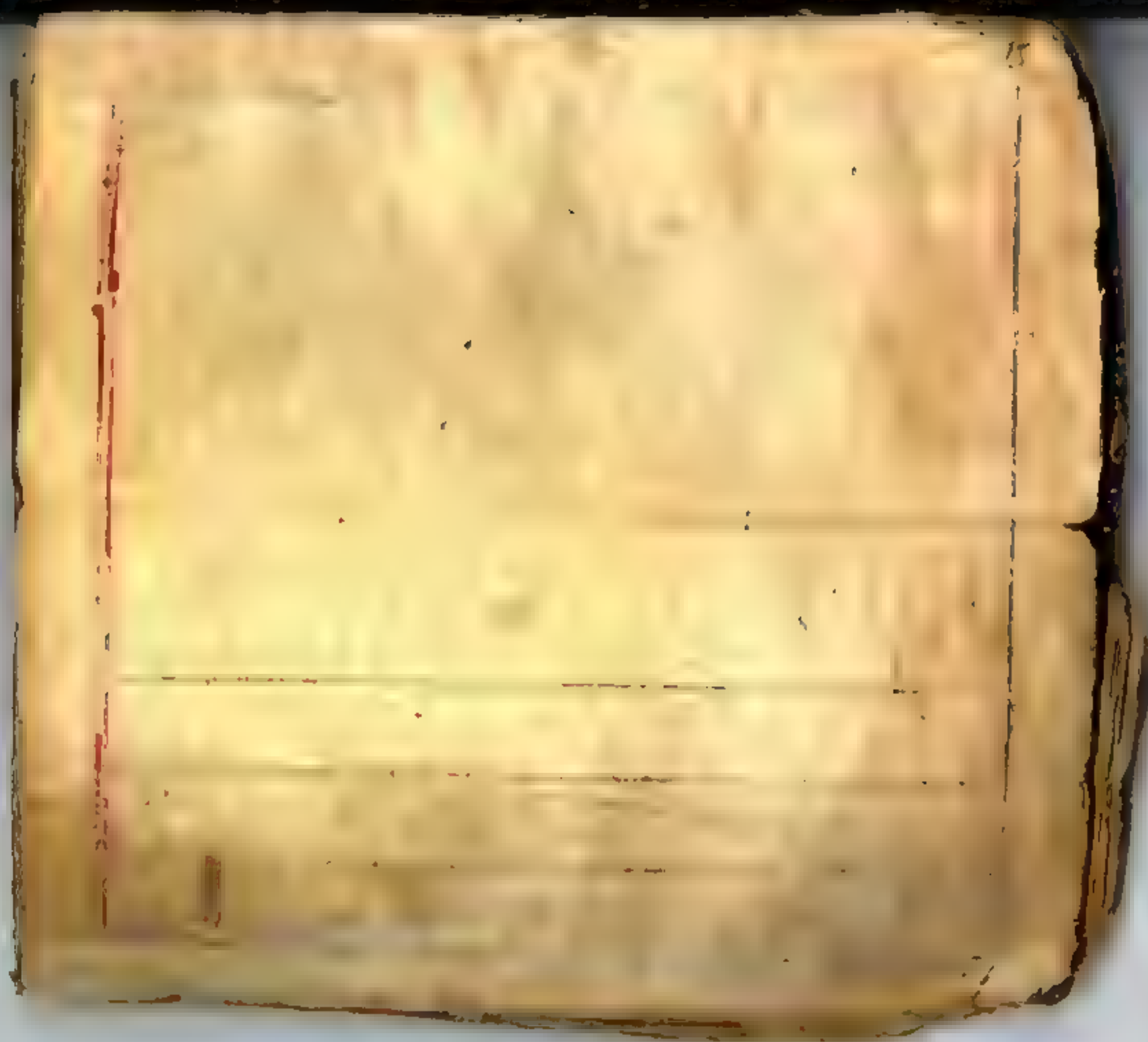
[illegible]

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
सर्वभूतहितं विना न भवति ॥ २ ॥
सर्वभूतहितं विना न भवति ॥ ३ ॥
सर्वभूतहितं विना न भवति ॥ ४ ॥
सर्वभूतहितं विना न भवति ॥ ५ ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ६ ॥
सर्वभूतहितं विना न भवति ॥ ७ ॥
सर्वभूतहितं विना न भवति ॥ ८ ॥
सर्वभूतहितं विना न भवति ॥ ९ ॥
सर्वभूतहितं विना न भवति ॥ १० ॥



1000. 1111. 1222. 1333. 1444. 1555. 1666. 1777. 1888. 1999.

1. 2. 3. 4. 5. 6. 7. 8. 9. 10. 11. 12. 13. 14. 15. 16. 17. 18. 19. 20. 21. 22. 23. 24. 25. 26. 27. 28. 29. 30. 31. 32. 33. 34. 35. 36. 37. 38. 39. 40. 41. 42. 43. 44. 45. 46. 47. 48. 49. 50. 51. 52. 53. 54. 55. 56. 57. 58. 59. 60. 61. 62. 63. 64. 65. 66. 67. 68. 69. 70. 71. 72. 73. 74. 75. 76. 77. 78. 79. 80. 81. 82. 83. 84. 85. 86. 87. 88. 89. 90. 91. 92. 93. 94. 95. 96. 97. 98. 99. 100. 101. 102. 103. 104. 105. 106. 107. 108. 109. 110. 111. 112. 113. 114. 115. 116. 117. 118. 119. 120. 121. 122. 123. 124. 125. 126. 127. 128. 129. 130. 131. 132. 133. 134. 135. 136. 137. 138. 139. 140. 141. 142. 143. 144. 145. 146. 147. 148. 149. 150. 151. 152. 153. 154. 155. 156. 157. 158. 159. 160. 161. 162. 163. 164. 165. 166. 167. 168. 169. 170. 171. 172. 173. 174. 175. 176. 177. 178. 179. 180. 181. 182. 183. 184. 185. 186. 187. 188. 189. 190. 191. 192. 193. 194. 195. 196. 197. 198. 199. 200. 201. 202. 203. 204. 205. 206. 207. 208. 209. 210. 211. 212. 213. 214. 215. 216. 217. 218. 219. 220. 221. 222. 223. 224. 225. 226. 227. 228. 229. 230. 231. 232. 233. 234. 235. 236. 237. 238. 239. 240. 241. 242. 243. 244. 245. 246. 247. 248. 249. 250. 251. 252. 253. 254. 255. 256. 257. 258. 259. 260. 261. 262. 263. 264. 265. 266. 267. 268. 269. 270. 271. 272. 273. 274. 275. 276. 277. 278. 279. 280. 281. 282. 283. 284. 285. 286. 287. 288. 289. 290. 291. 292. 293. 294. 295. 296. 297. 298. 299. 300. 301. 302. 303. 304. 305. 306. 307. 308. 309. 310. 311. 312. 313. 314. 315. 316. 317. 318. 319. 320. 321. 322. 323. 324. 325. 326. 327. 328. 329. 330. 331. 332. 333. 334. 335. 336. 337. 338. 339. 340. 341. 342. 343. 344. 345. 346. 347. 348. 349. 350. 351. 352. 353. 354. 355. 356. 357. 358. 359. 360. 361. 362. 363. 364. 365. 366. 367. 368. 369. 370. 371. 372. 373. 374. 375. 376. 377. 378. 379. 380. 381. 382. 383. 384. 385. 386. 387. 388. 389. 390. 391. 392. 393. 394. 395. 396. 397. 398. 399. 400. 401. 402. 403. 404. 405. 406. 407. 408. 409. 410. 411. 412. 413. 414. 415. 416. 417. 418. 419. 420. 421. 422. 423. 424. 425. 426. 427. 428. 429. 430. 431. 432. 433. 434. 435. 436. 437. 438. 439. 440. 441. 442. 443. 444. 445. 446. 447. 448. 449. 450. 451. 452. 453. 454. 455. 456. 457. 458. 459. 460. 461. 462. 463. 464. 465. 466. 467. 468. 469. 470. 471. 472. 473. 474. 475. 476. 477. 478. 479. 480. 481. 482. 483. 484. 485. 486. 487. 488. 489. 490. 491. 492. 493. 494. 495. 496. 497. 498. 499. 500. 501. 502. 503. 504. 505. 506. 507. 508. 509. 510. 511. 512. 513. 514. 515. 516. 517. 518. 519. 520. 521. 522. 523. 524. 525. 526. 527. 528. 529. 530. 531. 532. 533. 534. 535. 536. 537. 538. 539. 540. 541. 542. 543. 544. 545. 546. 547. 548. 549. 550. 551. 552. 553. 554. 555. 556. 557. 558. 559. 560. 561. 562. 563. 564. 565. 566. 567. 568. 569. 570. 571. 572. 573. 574. 575. 576. 577. 578. 579. 580. 581. 582. 583. 584. 585. 586. 587. 588. 589. 590. 591. 592. 593. 594. 595. 596. 597. 598. 599. 600. 601. 602. 603. 604. 605. 606. 607. 608. 609. 610. 611. 612. 613. 614. 615. 616. 617. 618. 619. 620. 621. 622. 623. 624. 625. 626. 627. 628. 629. 630. 631. 632. 633. 634. 635. 636. 637. 638. 639. 640. 641. 642. 643. 644. 645. 646. 647. 648. 649. 650. 651. 652. 653. 654. 655. 656. 657. 658. 659. 660. 661. 662. 663. 664. 665. 666. 667. 668. 669. 670. 671. 672. 673. 674. 675. 676. 677. 678. 679. 680. 681. 682. 683. 684. 685. 686. 687. 688. 689. 690. 691. 692. 693. 694. 695. 696. 697. 698. 699. 700. 701. 702. 703. 704. 705. 706. 707. 708. 709. 710. 711. 712. 713. 714. 715. 716. 717. 718. 719. 720. 721. 722. 723. 724. 725. 726. 727. 728. 729. 730. 731. 732. 733. 734. 735. 736. 737. 738. 739. 740. 741. 742. 743. 744. 745. 746. 747. 748. 749. 750. 751. 752. 753. 754. 755. 756. 757. 758. 759. 760. 761. 762. 763. 764. 765. 766. 767. 768. 769. 770. 771. 772. 773. 774. 775. 776. 777. 778. 779. 780. 781. 782. 783. 784. 785. 786. 787. 788. 789. 790. 791. 792. 793. 794. 795. 796. 797. 798. 799. 800. 801. 802. 803. 804. 805. 806. 807. 808. 809. 810. 811. 812. 813. 814. 815. 816. 817. 818. 819. 820. 821. 822. 823. 824. 825. 826. 827. 828. 829. 830. 831. 832. 833. 834. 835. 836. 837. 838. 839. 840.

1-አባይ ልሳን ሲገኝ ርዕስ
የሆነው ደብዳቤ የመጨረሻው ነው

Handwritten text in a cursive script, likely a historical document or manuscript. The text is arranged in five lines, with some characters appearing to be in a different script or dialect. The ink is dark and the paper is aged and yellowed.

Handwritten text in a cursive script, likely a historical document or manuscript. The text is arranged in three lines, with some characters appearing to be in a different script or dialect. The ink is dark and the paper is aged and yellowed.

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
सर्वभूतहितं कुरु सर्वदा ॥
सर्वदुःखहर्त्रा सर्वपापहर्त्रा ॥
सर्वकलहहर्त्रा सर्ववैद्य ॥
सर्वभूतहितं कुरु सर्वदा ॥
सर्वदुःखहर्त्रा सर्वपापहर्त्रा ॥
सर्वकलहहर्त्रा सर्ववैद्य ॥
सर्वभूतहितं कुरु सर्वदा ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
सर्वभूतहितं कुरु सर्वदा ॥
सर्वदुःखहर्त्रा सर्वपापहर्त्रा ॥
सर्वकलहहर्त्रा सर्ववैद्य ॥
सर्वभूतहितं कुरु सर्वदा ॥
सर्वदुःखहर्त्रा सर्वपापहर्त्रा ॥
सर्वकलहहर्त्रा सर्ववैद्य ॥
सर्वभूतहितं कुरु सर्वदा ॥

Handwritten text in a cursive script, likely a medieval manuscript. The text is written in dark ink on aged, yellowed parchment. It consists of three lines of text, with some words appearing to be in red ink (rubrication). The script is dense and flowing, characteristic of Gothic or similar medieval hands.

Handwritten text in a cursive script, likely a medieval manuscript. The text is written in dark ink on aged, yellowed parchment. It consists of five lines of text, with some words appearing to be in red ink (rubrication). The script is dense and flowing, characteristic of Gothic or similar medieval hands.

Small handwritten text or marginalia in the bottom left corner, possibly a page number or a reference mark.

11/15/1912. 2-14-1912

1911年 11月 21日 星期一

1890-1891

111-112-113-114-115-116-117-118-119-120-121-122-123-124-125-126-127-128-129-130-131-132-133-134-135-136-137-138-139-140-141-142-143-144-145-146-147-148-149-150-151-152-153-154-155-156-157-158-159-160-161-162-163-164-165-166-167-168-169-170-171-172-173-174-175-176-177-178-179-180-181-182-183-184-185-186-187-188-189-190-191-192-193-194-195-196-197-198-199-200-201-202-203-204-205-206-207-208-209-210-211-212-213-214-215-216-217-218-219-220-221-222-223-224-225-226-227-228-229-230-231-232-233-234-235-236-237-238-239-240-241-242-243-244-245-246-247-248-249-250-251-252-253-254-255-256-257-258-259-260-261-262-263-264-265-266-267-268-269-270-271-272-273-274-275-276-277-278-279-280-281-282-283-284-285-286-287-288-289-290-291-292-293-294-295-296-297-298-299-300-301-302-303-304-305-306-307-308-309-310-311-312-313-314-315-316-317-318-319-320-321-322-323-324-325-326-327-328-329-330-331-332-333-334-335-336-337-338-339-340-341-342-343-344-345-346-347-348-349-350-351-352-353-354-355-356-357-358-359-360-361-362-363-364-365-366-367-368-369-370-371-372-373-374-375-376-377-378-379-380-381-382-383-384-385-386-387-388-389-390-391-392-393-394-395-396-397-398-399-400-401-402-403-404-405-406-407-408-409-410-411-412-413-414-415-416-417-418-419-420-421-422-423-424-425-426-427-428-429-430-431-432-433-434-435-436-437-438-439-440-441-442-443-444-445-446-447-448-449-450-451-452-453-454-455-456-457-458-459-460-461-462-463-464-465-466-467-468-469-470-471-472-473-474-475-476-477-478-479-480-481-482-483-484-485-486-487-488-489-490-491-492-493-494-495-496-497-498-499-500-501-502-503-504-505-506-507-508-509-510-511-512-513-514-515-516-517-518-519-520-521-522-523-524-525-526-527-528-529-530-531-532-533-534-535-536-537-538-539-540-541-542-543-544-545-546-547-548-549-550-551-552-553-554-555-556-557-558-559-560-561-562-563-564-565-566-567-568-569-570-571-572-573-574-575-576-577-578-579-580-581-582-583-584-585-586-587-588-589-590-591-592-593-594-595-596-597-598-599-600-601-602-603-604-605-606-607-608-609-610-611-612-613-614-615-616-617-618-619-620-621-622-623-624-625-626-627-628-629-630-631-632-633-634-635-636-637-638-639-640-641-642-643-644-645-646-647-648-649-650-651-652-653-654-655-656-657-658-659-660-661-662-663-664-665-666-667-668-669-670-671-672-673-674-675-676-677-678-679-680-681-682-683-684-685-686-687-688-689-690-691-692-693-694-695-696-697-698-699-700-701-702-703-704-705-706-707-708-709-710-711-712-713-714-715-716-717-718-719-720-721-722-723-724-725-726-727-728-729-730-731-732-733-734-735-736-737-738-739-740-741-742-743-744-745-746-747-748-749-750-751-752-753-754-755-756-757-758-759-760-761-762-763-764-765-766-767-768-769-770-771-772-773-774-775-776-777-778-779-780-781-782-783-784-785-786-787-788-789-790-791-792-793-794-795-796-797-798-799-800-801-802-803-804-805-806-807-808-809-810-811-812-813-814-815-816-817-818-819-820-821-822-823-824-825-826-827-828-829-830-831-832-833-834-835-836-837-838-839-840-841-842-843-844-845-846-847-848-849-850-851-852-853-854-855-856-857-858-859-860-861-862-863-864-865-866-867-868-869-870-871-872-873-874-875-876-877-878-879-880-881-882-883-884-885-886-887-888-889-890-891-892-893-894-895-896-897-898-899-900-901-902-903-904-905-906-907-908-909-910-911-912-913-914-915-916-917-918-919-920-921-922-923-924-925-926-927-928-929-930-931-932-933-934-935-936-937-938-939-940-941-942-943-944-945-946-947-948-949-950-951-952-953-954-955-956-957-958-959-960-961-962-963-964-965-966-967-968-969-970-971-972-973-974-975-976-977-978-979-980-981-982-983-984-985-986-987-988-989-990-991-992-993-994-995-996-997-998-999-1000-1001-1002-1003-1004-1005-1006-1007-1008-1009-1010-1011-1012-1013-1014-1015-1016-1017-1018-1019-1020-1021-1022-1023-1024-1025-1026-1027-1028-1029-1030-1031-1032-1033-1034-1035-1036-1037-1038-1039-1040-1041-1042-1043-1044-1045-1046-1047-1048-1049-1050-1051-1052-1053-1054-1055-1056-1057-1058-1059-1060-1061-1062-1063-1064-1065-1066-1067-1068-1069-1070-1071-1072-1073-1074-1075-1076-1077-1078-1079-1080-1081-1082-1083-1084-1085-1086-1087-1088-1089-1090-1091-1092-1093-1094-1095-1096-1097-1098-1099-1100-1101-1102-1103-1104-1105-1106-110

卷之八

... 1940 ...

上卷

2011年11月11日

[illegible]

ወ **ወ** ይወድ ይወድ
ወ **ወ** ይወድ ይወድ
ወ **ወ** ይወድ ይወድ
ወ **ወ** ይወድ ይወድ
ወ **ወ** ይወድ ይወድ
ወ **ወ** ይወድ ይወድ

ወ **ወ** ይወድ ይወድ
ወ **ወ** ይወድ ይወድ
ወ **ወ** ይወድ ይወድ
ወ **ወ** ይወድ ይወድ
ወ **ወ** ይወድ ይወድ
ወ **ወ** ይወድ ይወድ

Handwritten text in red ink on the top page of an old manuscript. The text is arranged in four lines, separated by vertical red lines. The script is a form of Indic script, likely Devanagari, and the paper shows signs of age and wear.

Handwritten text in red ink on the bottom page of an old manuscript. The text is arranged in five lines, separated by vertical red lines. The script is a form of Indic script, likely Devanagari, and the paper shows signs of age and wear.

श्रीगणेशाय नमः

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

महा पंचगुदसि



